"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
संबद्ध: अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत पंजीकृत
e-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

शिक्षा , ज्ञान और शिक्षक
विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक-05/09/2024

शासकीय तुलसी महाविद्यालय के सभागार कक्ष में सांस्कृतिक समिति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा एवं' ज्ञान के महत्व को उजागर करना था। इस दिन का आयोजन हर वर्ष किया जाता है, लेकिन इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक था। यह कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ हुआ, और इसमें छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें कविता पाठ, गीत, गायन, और भाषण शामिल थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव विकसित करने के साथ-साथ उनके जीवन में शिक्षकों की भूमिका और महत्व को समझाना था।

प्रथम सत्र: शिक्षकों का जीवन में महत्व

कार्यक्रम के पहले सत्र में कई प्रतिष्ठित शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. विनोद कुमार कोल, प्रो. संगीता बसरानी, डॉ. गीतेश्वरी पांडे, और प्रो. लाल सिंह बंजारा ने अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से यह बताया कि कैसे उनके शिक्षकों ने उनके व्यक्तित्व को आकार दिया और उन्हें जीवन की दिशा दी।

डॉ. विनोद कुमार कोल ने अपने भाषण में यह बताया कि कैसे एक शिक्षक का प्रभाव जीवन भर महसूस किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक न केवल पाठ्यक्रम को पढ़ाता है, बल्कि वह अपने छात्रों के मानसिक और नैतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अपने स्कूली और कॉलेज जीवन के कुछ घटनाओं को साझा किया, जहां उनके शिक्षकों ने उन्हें प्रेरित किया और उनका मार्गदर्शन किया, जिससे वे अपने जीवन में सफल हो सके।

प्रो. संगीता बसरानी ने भी इसी प्रकार अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि शिक्षा का सही अर्थ केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि एक शिक्षक अपने छात्र को जीवन जीने की कला सिखाता है। उन्होंने बताया कि कैसे उनके शिक्षक ने न केवल उन्हें शिक्षित किया, बल्कि उनमें आत्म-विश्वास का संचार किया, जिससे वे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकीं।

डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ने अपने जीवन के कुछ व्यक्तिगत उदाहरण देते हुए यह बताया कि किस प्रकार एक शिक्षक का धैर्य और समर्पण छात्र के जीवन को बदल सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे जीवन की जटिलताओं को समझने और उनका समाधान ढूंढने की क्षमता भी विकसित करते हैं।

प्रो. लाल सिंह बंजारा ने अपने शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके शिक्षक ने उन्हें न केवल शिक्षित किया, बल्कि उन्हें अनुशासन और समय की महत्ता सिखाई। उन्होंने अपने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने शिक्षकों का सम्मान करें और उनकी दी गई सीखों को अपने जीवन में लागू करें।

तृतीय सत्र: शिक्षकों का योगदान और सफलता

कार्यक्रम के तीसरे सत्र में डॉ. शैली अग्रवाल, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, प्रो. सूरज परवानी और प्रो. कमलेश चावले ने शिक्षकों के योगदान और उनकी सफलता में भूमिका पर अपने विचार रखे।

डॉ. शैली अग्रवाल ने बताया कि एक शिक्षक का काम केवल कक्षा में पढ़ाना नहीं होता, बल्कि वह अपने छात्रों के जीवन को एक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन की हर चुनौती से लड़ने के लिए छात्रों को तैयार करता है। उन्होंने अपने जीवन के उदाहरणों से यह स्पष्ट किया कि कैसे उनके शिक्षकों ने उन्हें कठिन समय में साहस और आत्म-विश्वास प्रदान किया।

डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे उनके शिक्षक उनके लिए एक प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का काम केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं होता, बल्कि वह अपने छात्रों को आत्म-निर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

प्रो. सूरज परवानी ने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि एक शिक्षक जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि उनके शिक्षक ने उन्हें न केवल शैक्षणिक ज्ञान दिया, बल्कि जीवन के कठिन परिस्थितियों में धैर्य और साहस से सामना करना सिखाया।

प्रो. कमलेश चावले ने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल एक पेशा नहीं है, बल्कि यह एक समाज की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि कैसे उनके शिक्षक ने उन्हें सही मार्गदर्शन दिया और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अंतिम सत्र: ईमानदारी और मेहनत से सफलता

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में प्रो. पूनम धांडे और डॉ. तरन्नुम शरबत ने छात्रों के समक्ष यह विचार प्रस्तुत किया कि ईमानदारी और मेहनत से जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

प्रो. पूनम धांडे ने अपने अनुभवों के आधार पर यह बताया कि जीवन में ईमानदारी और परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि सफलता का मार्ग कठिनाइयों से भरा होता है, लेकिन यदि हम ईमानदारी और लगन के साथ अपने कार्यों को करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने छात्रों को यह सलाह दी कि वे अपने जीवन में शिक्षकों की शिक्षाओं का अनुसरण करें और हमेशा सच्चाई और मेहनत के पथ पर चलें।

डॉ. तरन्नुम शरबत ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, समर्पण और कड़ी मेहनत ही वह कुंजी है, जिससे जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने शिक्षकों का आदर करें और उनकी शिक्षाओं का पालन करें, क्योंकि यही उन्हें जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेगा।

कार्यक्रम का समापन और निष्कर्ष

इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश पांडे द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.के. संत द्वारा की गई, जिन्होंने अपने विचारों से सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आकांक्षा राठौर रहीं। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र सिंह बगरी, डॉ. रेखा वर्मा, प्रो. शाहबाज खान और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यह समझने का अवसर मिला कि शिक्षकों का जीवन में क्या महत्व है और कैसे उनका मार्गदर्शन और समर्थन किसी भी व्यक्ति की सफलता के लिए आवश्यक होता है। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया और बताया कि कैसे शिक्षकों ने उनके जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ा।

इसके अलावा, इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया और उनके योगदान की सराहना की गई। शिक्षकों का समाज में जो महत्वपूर्ण स्थान है, उसे और भी स्पष्ट रूप से समझा गया और उनके प्रति सम्मान का भाव और गहरा हुआ।

यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा, बल्कि शिक्षकों के लिए भी एक सम्मानजनक अनुभव था, जहां उनके समर्पण और प्रयासों को सराहा गया। इस आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनका योगदान समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

सरस्वती पूजन करते हुए प्राचार्य डॉ. जे.के.संत

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
संबद्ध: अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत पंजीकृत
e-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

व्याख्यान देते हुए शिक्षक गण

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
संबद्ध: अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत पंजीकृत
e-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्रगण

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
संबद्ध: अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत पंजीकृत
e-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

बैच लगाकर स्वागत करते हुए छात्रगण

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
संबद्ध: अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
यूजीसी अधिनियम की धारा 2 (एफ) और 12 (बी) के तहत पंजीकृत
e-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

बैच लगाकर स्वागत करते हुए छात्रगण